Shri Rudrakotishvara Ashtakam

श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकम्

Document Information

Text title : rudrakoTIshvarAShTakam

File name : rudrakoTIshvarAShTakam.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail, PSA Easwaran

Description-comments : Subrahmanya Stuti Manjari, Mahaperiaval Trust

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : January 28, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 28, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Rudrakotishvara Ashtakam

श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकम्

ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

क्षेत्रम् - तिरुक्कलुकुन्त्रम् Tirukkazhukundram, TN

व्योमानिलानलजलाचलचन्द्रसूर्य-
चैतन्यकल्पितशरीरविराजिताय ।
ऋग्वादि वेदगिरिशृङ्गनिकेतनाय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ १॥

कर्पूरशङ्खधवलाकृतिचन्द्रकान्त-
मुक्ताफलस्पटिकवह्निपविग्रहाय ।
कस्तूरिकुङ्कुमहिमाम्बुविलेपनाय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ २॥

सौन्दर्यनायकिमुखाम्बुजभृङ्गभूत
चन्द्रार्कवह्निनिलयाय सदाशिवाय ।
अणिमादिदाय करुणामृतसागराय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ३॥

गङ्गाजलाग्रनिलयाय कलामयाय
कामान्धकत्रिपुरदग्धविलेपनाय ।
गङ्गाधराय गरुडध्वजसेविताय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ४॥

गृध्राचलेन्द्रनिलयाय निरीश्वराय
तत्त्वादि सिद्धसुपूजितवन्दिताय ।
सिद्धादि योगपुरुषाय दिगम्बराय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ५॥

पञ्चाक्षराय भवसागरतारणाय

पञ्चास्यचर्मवसनाय परात्पराय ।
पञ्चाक्षराय निगमाचलनायकाय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ६॥

वेदान्तमुख्यविभवाय निरीश्वराय
वेदान्तवेद्यसरसाय विचक्षणाय ।
वेदाय वेददुर्गाय विक्षायनाय
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ७॥

आधारशक्तिकुटिलासनपञ्चकाय
ब्रह्माण्डकल्पितकलामयविग्रहाय ।
प्रासाद् षोडशकलामय विश्वमूर्ति
श्रीरुद्रकोटिनिलयाय नमःशिवाय ॥ ८॥

इति श्रीरुद्रकोटीश्वराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail.com,
PSA Easwaran

Shri Rudrakotishvara Ashtakam
pdf was typeset on January 28, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*